# KHMHSS VALAKKULAM

VICTERS CHANNEL HINDI CLASS - 11/12/20

## STD : X

# ठाकुर का कुआं

1, गंगी दबे पांव कुएं की जगत पर चढ़ी, विजय का ऐसा अनुभव उसे पहले न हुआ था । गंगी को ऐसा अनुभव क्यों हुआ होगा?
**उत्तर** : गंगी एक निम्न वर्ग की औरत है । वह गरीबी में रहती है ।उच्च वर्ग के लोग निम्न वर्ग के लोगों को निंदा की दृष्टि से देखते हैं और व्यवहार करते हैं । गंगी का जीवन हमेशा दुख और दर्दो से गुजरता था । हर बात में पराजय भी आती थी । विजय का अनुभव मिलने के लिए साहस की ज़रूरत थी। जिसका उसके जीवन में अभाव था।

2, ' शेर का मूंह इससे अधिक भयानक न होगा ।' यहां ठाकुर के दरवाजे की तुलना शेर के मुंह से क्यों की गई है ?
**उत्तर** : शेर का मुंह भयानक है । शेर के मुंह से कोई बच नहीं सकता । ठाकुर का दरवाज़ा भी ऐसा है । वहां हमेशा कुछ बेफिक्रे लोग होंगे । वे ठाकुर की हुक्म के अनुसार कुछ भी करेंगे । इसलिए दोनों की तुलना की।

3, ठाकुर के दरवाजे पर कौन-कौन जमा थे ?
**उत्तर** : दस - पांच बेफिक्रे।

4, गंगी कहां बैठकर पानी भरने के मौके का इंतज़ार करती है ?
**उत्तर**: कुएं की जगत की आड़ में।

5, कुएं पर किसी के आने की आहट सुनकर गंगी ने क्या किया ?
**उत्तर** : उसने घड़ा और रस्सी उडा ली और झुककर चलती हुई एक वृक्ष के अंधेरे साए में जा खड़ी हुई ।

6, **सही मिलान करें**

| | |
|---|---|
| ठाकुर का दरवाज़ा। | रात को शत्रु के किले में सुराखकरता सिपाही |
| दबी पांवों से कुएं की जगत पर आती गंगी | ठाकुर के लोग । |
| कानूनी बहादुरी से काम करने वाले। | शेर का मुंह। |
| रस्सी का फंदा घड़े में डालती गंगी। | अमृत चुराने के लिए आए राजकुमार। |

7, ठाकुर के कुएं से वापस आई गंग्गी ने क्या देखा ?
**उत्तर** : गंगी ने देखा कि जोखू लोटे से मैला गंदा पानी पी रहा है।

8, निम्न वर्ग के लोग उच्च वर्ग के कुएं से पानी भरेंगे तो क्या होगा ?
**उत्तर** : उनके हाथ - पांव तोड़े जाएंगे । उन्हें लाठी से मारा जाएगा । गरीबों का दर्द कोई नहीं समझता । वे मर जाते हैं तो भी उच्चवर्ग के लोग उनके घर के द्वार पर नहीं आते।

9, ठाकुर के कुएं की जगत पर पानी लाने के लिए आयी गंगी निराश होकर वापस आयी। जोखु उससे बातें करता है । दोनों के बीच का **वार्तालाप** लिखें ?

जोखू : अरी, तू आयी ?
गंगी : हां, भागकर आयी ।
जोखू : क्या हुआ ? पानी मिला ?
गंगी : पानी नहीं मिला।
जोखू : क्यों ?
गंगी : ठाकुर के घर का दरवाजा बंद होने के बाद में कुएं की जगह पर चढ़ी थी।
जोखू : फिर ?

visit www.shenischool.in or whatsapp 7012498606

गंगी : मैंने बड़ी सावधानी से रस्सी से घड़ा बांधकर कुएं में डाला।
जोखू : घड़े में पानी भरा नहीं था ?
गंगी : हां था। घड़ा कुएं के मूंह पर आया । मैं उसे पकड़कर रखनेवाली ही थी कि इतने में ठाकुर के घर का दरवाज़ा खुला।
जोखू : हाय, भगवान।
गंगी : ठाकुर को कुएं की ओर आते देख मैं कूदकर भाग गई।
जोखू : आखिर लाचार होकर मैंने वह गंदा पानी पिया।
गंगी : मैं ने देखा । क्या करें ? बीमारी बढ़ जाएगी ।
जोखू : पानी के बिना कैसे जिएं ?
गंगी : कल कोई उपाय ढूंढूंगी।
जोखू : दूर गांव में कोई कुआं होगा।
गंगी : देख लूं।

**Home work**

1, ठाकुर को कुएं की तरफ आते देख गंगी जगत से कूदकर भाग गयी । घर पहुंचकर उसने उस दिन की डायरी लिखी। वह कल्पना के अनुसार लिखें।

2, गंगे के चरित्र पर टिप्पणी लिखें।

visit www.shenischool.in or whatsapp 7012498606